हम या अन्य लोग व्यवस्था के बंधन में नहीं – बल्कि आत्मा के बंधन में हैं

व्यवस्था के शब्द दोष लगाते, आलोचना करते, ठुकराते, और मारते हैं, परन्तु व्यवस्था का आत्मा गले लगाता, पुर्नस्थापित करता, प्रोत्साहित करता और जीवन देता है। व्यवस्था न्याय की मांग करती है जबकि दया हमें व्यवस्था के हरजाने और दंड से मुक्त करती है। जब हम अपना और दूसरों का न्याय व्यवस्था के शब्दों के आधार पर करते हैं तो अक्सर हम कठोर हो जाते हैं और हमारी सोच और काम ऐसे हो जाते हैं मानो हम पुलिसवाले, न्यायाधीष, पंच, जेलर या जल्लाद हों। व्यवस्था विभाजन लाती है।

परमेष्वर का आत्मा दया का आत्मा है और हम परमेष्वर की संतान होने के कारण व्यवस्था के शब्दों से नहीं बल्कि परमेष्वर के मनोरथों से बंधे हैं... और परमेष्वर अपने और संतानों में या एक दूसरे में विभाजन नहीं लाना चाहता। दयावान बनें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, जब जब मैं आलोचक, कठोर, न्यायी तथा दूसरों पर और यहां तक कि अपने ऊपर भी दोष लगाने वाला बना हूँ, उसके लिए मुझे क्षमा कर दें। मुझ पर अपनी दया प्रकट करें और दूसरों पर और अपने आप पर दया करने वाला व्यक्ति बनाएं। व्यवस्था के मात्र शब्द ही नहीं बल्कि आत्मा को समझने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 3:6 जिस ने हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया, शब्द के सेवक नहीं बरन आत्मा के; क्योंकि शब्द मारता है, पर आत्मा जिलाता है।

रोमियों 8:1–2 सो अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दंड की आज्ञा नहीं: क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं बरन आत्मा के अनुसार चलते हैं। क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु में मुझे पाप की, और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया।

परिवर्तन की अनेच्छा से हम जैसे हैं वैसे ही बने रहने की छाप हम पर लग जाती है

क्योंकि हमें परमेष्वर की दया प्राप्त है, इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें अपने में आवष्यक परिवर्तन नहीं करने चाहिएं। जो व्यक्ति परमेष्वर के वचन में से चुनौती प्राप्त नहीं करता, उसमें सुधार नहीं होता और जिस व्यक्ति में सुधार नहीं होता उसमें परिवर्तन भी नहीं होता। परमेष्वर के वचन के प्रकाष में अपने आप को जांचें और यह जानते हुए भी कि परमेष्वर आपको क्षमा कर देगा, परिवर्तन के लिए अनेच्छा व्यक्त न करें।

याद रखें, जांचा न जाने वाले और चुनौती न प्राप्त करने वाले व्यक्ति में परिवर्तन नहीं होता और परिवर्तन की अनेच्छा से हम जैसे हैं वैसे ही बने रहने की छाप हम पर लग जाती है। ऐसा न सोचें कि आप सिद्ध हो चुके हैं। अनुभवी कुम्हार के हाथों में मिट्टी के समान बन जाएं और परिवर्तन से विमुख न हों। अपने आप के लिए दयालू बनें और और परिवर्तन के लिए तैयार रहें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, मुझे अपने आप को जांचनें और अपने जीवन के वे क्षेत्र देखने के लिए बुद्धि दें जिनमें मुझे और अधिक आपके जैसा बनने की आवष्यकता है। मैं आपको प्रसन्न करने के लिए अपने विचार, अपने शब्द और अपने काम बदलने के लिए तैयार हूँ। आज, मैं यीषु जैसा और अधिक बनूंगा।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 13:5 अपने प्राण को परखो, कि विश्वास में हो कि नहीं; अपने आप को जांचो, क्या तुम अपने विषय में यह नहीं जानते, कि यीशु मसीह तुम में है? नहीं तो तुम निकम्मे निकले हो।

edit copy

भजन 26:2 हे यहोवा, मुझ को जांच और परख; मेरे मन और हृदय को परख।

मनुष्य के हृदय में से निकलने वाली प्रार्थना ही परमेष्वर के हृदय तक पहुंचती है

बाइबल हमें सिखाती है कि प्रार्थना किसी और से नहीं, किसी और के द्वारा नहीं या किसी के विरूद्ध नहीं बल्कि सीधे परमेष्वर से की जाती है। साधारणतः प्रार्थना परमेष्वर से यीषु के नाम में की जाती है और जो परमेष्वर के वचन, स्पष्ट सिद्धांतों या प्रकट इच्छा के साथ सहमत होती है। याकूब 4:3 के अनुसार अनुचित रूप में की जाने वाली प्रार्थनाओं का कोई उत्तर नहीं आता।

जब हम प्रार्थना करते हैं तो हमारा ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए के लोग हमारी प्रार्थना सुन रहे हैं या नहीं, बल्कि इस बात पर होना चाहिए कि परमेष्वर हमारी प्रार्थना सुन रहा है या नहीं। कहने का भाव यह है कि हमें अपनी प्रार्थना में प्रचार, दूसरों को प्रोत्साहन या षिक्षा नहीं देनी चाहिए, मानो कि हम अपने श्रोताओं को पवित्र घड़ी में बांधने का प्रयास कर रहे हैं। मनुष्य के हृदय में से निकलने वाली प्रार्थना ही परमेष्वर के हृदय तक पहुंचती है।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु परमेष्वर, मुझे प्रभावषाली प्रार्थना करना सिखाएं, यीषु के नाम में, आमीन।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 16:23–24 उस दिन तुम मुझ से कुछ न पूछोगेः मैं तुम से सच सच कहता हूँ, यदि पिता से कुछ मांगोगे, तो वह मेरे नाम से तुम्हें देगा। अब तक तुम ने मेरे नाम से कुछ नहीं मांगा; मांगो तो पाओगे ताकि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए।।

याकूब 4:2–3 तुम लालसा रखते हो, और तुम्हें मिलता नहीं; तुम हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त नहीं कर सकते; तुम झगड़ते और लड़ते हो; तुम्हें इसलिये नहीं मिलता, कि मांगते नहीं। तुम मांगते हो और पाते नहीं, इसलिये कि बुरी इच्छा से मांगते हो, ताकि अपने भोग विलास में उड़ा दो।

यूहन्ना 15:16 तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें ठहराया ताकि तुम जाकर फल लाओ; और तुम्हारा फल बना रहे, कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो, वह तुम्हें दे।

ईमानदारी यह है कि हमें कैसा महसूस होता है... सत्य यह है कि परमेष्वर को कैसा महसूस होता है

यह सम्भव है कि को कोई व्यक्ति सत्य को पहचाने बिना भी पूर्णतः ईमानदार हो सकता है। वास्तव में, इसमें अक्सर भिन्नता होती है कि हम क्या प्रतीति करते हैं और परमेष्वर क्या महसूस करता है। यषायाह नबी कहता है कि परमेष्वर के मार्ग हमारे मार्गों से बहुत ऊँचे हैं और परमेष्वर के विचार हमारे विचारों से बहुत ऊँचे हैं। इस कारण अवष्य है कि हम अपने एहसासों, अपने व्यवहारों और अपने कामों को परमेष्वर के वचन की आधीनता में समर्पित कर दें।

यीषु ने अपने षिष्यों से कहा कि यदि वे उसके वचन में बने रहें तो वे सत्य को जानेगें और सत्य उन्हें स्वतंत्र करेगा। अपना जीवन लोगों को केवल यह बताने में न बिताएं कि आप ईमानदारी से कैसा महसूस करते हैं... बल्कि उन्हें सत्य बताएं।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे अपने मार्ग सिखा और अपने सत्य दिखा। अपने सत्य के द्वारा मुझे शुद्ध कर, तेरा वचन सत्य है। आज मेरे मन में से सारे एहसास निकाल दे और मेरे विचारों के स्थान पर अपने विचार डाल दे।

आज के लिए वचन

edit copy

यूहन्ना 8:31–32 तब यीशु ने उन यहूदियों से जिन्हों ने उस की प्रतीति की थी, कहा, यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।

यूहन्ना 17:17 सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र करः तेरा वचन सत्य है।

यषायाह 55:8–9 क्योंकि यहोवा कहता है, मेरे विचार और तुम्हारे विचार एक समान नहीं है, न तुम्हारी गति और मेरी गति एक सी है। क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है।।

आवष्यकता से अधिक सुधार और कुछ नहीं बल्कि परिवर्तन के प्रयास के प्रति हमारा अपरिपक्व प्रतिउत्तर है

क्या आपने कभी किसी को पहली बार कार चलाते हुए देखा है? सड़क पर सीधे चलना और गड्ढों से बचना उनके लिए बहुत कठिन होता है। जब कार अपनी सही दिषा से भटकने लगती है तो दुर्घटना होने से तुरंत पहले वे अपनी दिषा बदल लेते हैं और अगली मुसीबत की ओर चल पड़ते हैं। ऐसा लगता है कि उनका ध्यान सही दिषा में बने रहने की बजाय दुर्घटना से बचने पर लगा रहता है। बार बार दिषा बदलने से वे एक के बाद दूसरी मुसीबत की ओर बढ़ते जाते हैं। यह एक सामान्य प्रतिउत्तर है जिसे आवष्यकता से अधिक सुधार कहा जाता है।

आवष्यकता से अधिक प्रतिक्रिया करने के कारण हम अपने आप को एक मुसीबत से निकलकर दूसरी में प्रवेष करता हुआ पाएंगे। जब परिवर्तन आवष्यक हो तो सबसे छोटा सुधार करना ही उचित होता है, ताकि यह पता लग सके कि उस सुधार के कारण अब आप किस दिषा में आगे बढ़ेंगे।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, मुझे बुद्धि और ज्ञान दें ताकि मैं और कोई मुसीबत खड़ी किए बिना अपने जीवन की दिषा सही बनाए रखने के लिए उचित परिवर्तन कर सकूं। केवल वर्तमान पर ही नहीं बल्कि भविष्य पर भी अपना ध्यान लगाने में मेरी सहायता करें। आपका धन्यवाद, आमीन।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 16:25 ऐसा भी मार्ग है, जो मनुष्य को सीधा देख पड़ता है, परन्तु उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है।

नीतिवचन 11:29 जो अपने घराने को दुःख देता, उसका भाग वायु ही होगा, और मूढ़ बुद्धिमान का दास हो जाता है।

जब हम अनुसरण करना सीख लेते हैं तब ही हम अगुवाई करने के योग्य हो पाते हैं

जीवन की लगभग प्रत्येक परिस्थिति में अगुवे उठ खड़े होते हैं। अगुवों की पहचान तब होती है जब वे दूसरों की अगुवाई में अनुसरण करते हुए अपना भरपूर योगदान देते हैं। हमारे जीवन में अनुसरण करने का समयकाल परमेष्वर द्वारा नियुक्त किया गया है ताकि हमें सीखने का समय और अवसर मिले। चाहे कोई बालक अपने पिता का अनुसरण करता है या कोई बालिका अपनी माता का, दोनों ही माता–पिता बनना, पति–पत्नी बनना, और अपने समाज के उत्पादक सदस्य बनना सीख रहे हैं। यदि वे अनुसरण करने में असफल हो जाते हैं तो सम्भव है कि भविष्य में अगुवाई करना उनके लिए कठिन हो जाए।

जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसा ही होता है। किसी भी व्यवसाय में निपुण बनने की इच्छा रखने वाले लोगों को पहले उस व्यवसाय में सहायक बनना पड़ता है, निपुण कर्मचारियों से प्रषिक्षण लेना पड़ता है, और जब उन पर नज़र रखी जाती है और वे अपने अगुवों के निर्देष मानते हैं तो वे स्वयं अगुवे बनने के योग्य बन

edit copy

जाते हैं। मसीहत और परमेष्वर के राज्य की सेवकाई में भी ऐसा ही होता है। अनुसरण करना सीखें और जब परमेष्वर आपको अवसर देगा तब आप स्वयं अगुवाई करने के योग्य हो जाएंगे।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, अनुसरण करना सीखने के समय के दौरान मुझे जो कुछ भी आवष्यक है उसे एकत्र करने में मेरी सहायता करें। जब मैं दूसरों से सीखता हूँ और भविष्य में अपनी बुलाहट पर खड़े होने के लिए आगे बढ़ता हूँ तो मुझे संतुष्ट बने रहने का अनुग्रह दें।

आज के लिए वचन

फिलिप्पियों 3:14 निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

इब्रानी 13:7 जो तुम्हारे अगुवे थे, और जिन्हों ने तुम्हें परमेश्वर का वचन सुनाया है, उन्हें स्मरण रखो; और ध्यान से उन के चाल–चलन का अन्त देखकर उन के विश्वास का अनुकरण करो।

इब्रानी 6:12 ताकि तुम आलसी न हो जाओ; बरन उन का अनुकरण करो, जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं।

हम जो कुछ सोचते हैं, हम जो कुछ महसूस करते हैं और हम जो कुछ चाहते हैं, वह हमारे विष्वास पर आधारित होता है!

क्या आपने कभी सोचा है कि जैसा आप सोचते हैं वैसा क्यों सोचते हैं, जैसा महसूस करते हैं वैसा क्यों महसूस करते हैं या जो चाहते हैं वह क्यों चाहते हैं जबकि आपका सबसे नजदीकी मित्र आपसे भिन्न सोचता, भिन्न महसूस करता और भिन्न चाह रखता है? वे आप जैसे क्यों नहीं हैं? हमारी सोच, एहसास और चाहतों का दूसरों से भिन्न होने का मुख्य कारण अक्सर यह है कि हमारा विष्वास उनसे भिन्न होता है।

यह सोचकर डर लगता है कि हमारा विष्वास, न्याय और निर्णय उस क्षण उस विषय पर उपलब्ध हमारी सीमित जानकारी पर आधारित होता हैं। जीवन की प्रत्येक परिस्थिति, हालात और सत्य के बारे में हमारी कल्पना से कहीं अधिक जानकारी मौजूद होती है। जीवन जीने का एकमात्र सुरक्षित तरीका यही है कि हम जो कुछ विष्वास करते हैं उसे परमेष्वर के वचन के प्रकाष में जांच कर देखें। क्योंकि जब हम वह विष्वास करना आरम्भ कर देंगे जो विष्वास परमेष्वर करता है, तो हमारी सोच, एहसास और चाहतें वैसी हो जाएंगी जैसा परमेष्वर चाहता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं किसी भी परिस्थिति का न्याय या निर्णय आपके वचन को जांचे बिना न करूँ। मुझे अनुग्रह दें कि मैं देख सकूं कि मैं कहां गलत हूँ और आपकी इच्छा के अनुसार अपने जीवन में परिवर्तन कर सकूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य आपको प्रसन्न करना है।

आज के लिए वचन

रोमियों 12:1–2 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूँ, कि अपने शरीरो कों जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओः यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।।

edit copy

इब्रानी 4:2 क्योंकि हमें उन्हीं की नाई सुसमाचार सुनाया गया है, पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ; क्योंकि सुननेवालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।

यदि आप किसी से नहीं डरते तो आप परमेष्वर के लिए क्या कर सकते हैं?

इस्त्राएलियों को बताया गया था कि परमेष्वर उन्हें मिस्त्र की गुलामी से आज़ाद करके एक ऐसे देष में ले जा रहा है जहां दूध और मधु की धाराएं बहती हैं और जिस की प्रतिज्ञा उसने उनके पुरखाओं, अब्राहाम, इसहाक और याकूब से की थी। जब उन्होंने अपनी यात्रा आरम्भ की थी तो यह प्रकट था कि परमेष्वर उनके संग था और प्रतिज्ञा किए हुए देष के मार्ग पर आष्चर्यकर्म करता जा रहा था। परमेष्वर ने लाल समुद्र को विभाजित किया और यात्रा के दौरान प्रत्येक दिन उनके लिए स्वर्ग से ताज़ा रोटी का प्रबंध करता रहा।

तथापि, जब आगे बढ़ने और उनके मार्ग में आने वाली बाधाओं को हटाने का समय आया तो इस्त्राएली डर के मारे आगे नहीं बढ़ पाए। उस दिन डर ने परमेष्वर की आषीषें रोक दी और यह आज हमारे दिनों में भी परमेष्वर की आषीषें रोक देगा। यदि आप किसी से नहीं डरते तो आप परमेष्वर के लिए क्या कर सकते हैं?

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे प्रिय परमेष्वर, मैं बलवंत, निडर और साहसी बनने का चयन करता हूँ और साथ ही आपकी इच्छा की पूर्ति में आने वाली बाधाओं से सामना होने पर न तो डरूंगा और न ही घबराऊंगा। मुझे अनुग्रह दें कि मैं जीवन के दबावों में आगे बढ़ता जाऊँ और डर के कारण रूक न जाऊँ। मैं जानता हूँ कि आप मेरे संग रहेंगे।

<u>आज के लिए वचन</u>

यहोषू 1:6–9 इसलिये हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; क्योंकि जिस देश के देने की शपथ मैं ने इन लोगों के पूर्वजों से खाई थी उसका अधिकारी तू इन्हें करेगा। इतना हो कि तू हियाव बान्धकर और बहुत दृढ़ होकर जो व्यवस्था मेरे दास मूसा ने तुझे दी है उन सब के अनुसार करने में चौकसी करना; और उस से न तो दहिने मुड़ना और न बांए, तब जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा काम सुफल होगा। व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे चित्त से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे; क्योंकि ऐसा ही करने से तेरे सब काम सुफल होंगे, और तू प्रभावशाली होगा। क्या मैं ने तुझे आज्ञा नहीं दी? हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।।

परमेष्वर उस क्षेत्र में सोचता है जिसे लोग असंभव मानते हैं

मैं जानता हूँ कि वायुगतिकी के भैतिक नियम के अनुसार बड़ी मधुमक्खी (बम्बल बी) के लिए उड़ना असंभव है। इसका कारण यह है कि इस बड़ी मधुमक्खी के पंखों से इतना बल उत्पन्न नहीं होता जिससे इस बड़ी मधुमक्खी का शरीर हवा में उड़ सके। गुरुत्वाकर्षण से निकलने और उड़ने के लिए पर्याप्त ऊर्जा या बल पैदा नहीं होता। इस कारण यह बड़ी मधुमक्खी उड़ नहीं सकती ... परन्तु फिर भी यह उड़ती है! कैसे?

इसका एक ही कारण है, और वह यह है कि परमेष्वर ने इस बड़ी मधुमक्खी को उड़ने के लिए बनाया है और इसी कारण यह उड़ती है। जैसे परमेष्वर ने इस बड़ी मधुमक्खी को उड़ने के लिए बनाया है, बिल्कुल वैसे ही परमेष्वर ने आपको भी इसलिए बनाया है कि आप पार्थिव सीमाओं को तोड़कर असंभव कार्य करें क्योंकि परमेष्वर कहता है कि आप ऐसा कर सकते हैं। परमेष्वर की ओर से केवल एक वचन के साथ, एक ईष्वरीय प्रेरित विचार के साथ, पवित्र आत्मा के एक स्पर्ष के साथ आप असंभव दिखने वाले वह बंधन तोड़ सकते हैं जिन्होंने लोगों को बांधा हुआ है। अपने मन को परमेष्वर के वचन से भरने के द्वारा वैसा सोचना आरम्भ करें जैसे परमेष्वर सोचता है और असंभव बातों को वास्तविकता में बदलते देखें।

edit copy

आज के लिए वचन
हे परमेष्वर मैं वैसे सोचना चाहता हूँ जैसे आप सोचते हैं और जीवन की परिस्थितियों, हालातों और सीमाओं में सीमित होने की बजाय सबकुछ आपके दृष्टिकोण से देखना चाहता हूँ। मैं आप पर विष्वास करता हूँ और इस कारण मेरे लिए सबकुछ संभव है।

आज के लिए वचन
मरकुस 9:23 यीशु ने उस से कहा; यदि तू कर सकता है; यह क्या बात है? विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो सकता है।

मरकुस 10:27 यीशु ने उन की ओर देखकर कहा, मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से हो सकता है; क्योंकि परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।

मरकुस 14:36 और कहा, हे अब्बा, हे पिता, तुझ से सब कुछ हो सकता है; इस कटोरे को मेरे पास से हटा लेः तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं, पर जो तू चाहता है वही हो।

आत्मा के चलाए चलने का साधारण अर्थ यह है कि किसी और स्त्रोत के चलाए चलने से इनकार करना

मनुष्य को त्रिएक प्राणी के रूप में सृजा गया थाः आत्मा, प्राण और देह। अदन की वाटिका में आया पाप एक चौथे तत्व को ले आया जिसे शरीर अथवा शारीरिक प्रवृत्ति के नाम से जाना जाता है। शरीर अथवा शारीरिक प्रवृत्ति पतित मनुष्य के नीच स्वभाव का बल है। परमेष्वर से रहित मनुष्य सांसारिक होता है और शारीरिक लालसाओं में संलिप्त रहता है। नया जन्म पाने के बाद, मनुष्य में निवास करने वाला परमेष्वर का आत्मा हमारे जीवन पर नियंत्रण प्राप्त करने के लिए इस शारीरिक प्रवृत्ति से युद्ध करता है।

मनुष्य का प्राण बुद्धि, ज्ञान, भावना और संकल्प के नियंत्रण में रहता है, जबकि देह सामान्य सुख सुविधाओं के प्रति आकर्षित होती है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी आवाज़ का प्रतिउत्तर अवष्य देता है। यह आवाज़ शरीर अथवा शारीरिक प्रवृत्ति की हो सकती है, प्राण की हो सकती है, देह की हो सकती है या आत्मा की हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति यह निष्चित कर सकता है कि आवाज़ किसकी आ रही है तो वह उस प्रत्येक आवाज़ का प्रतिउत्तर देने से इनकार कर सकता है जो आत्मा की आवाज़ नहीं है।

आज के लिए प्रार्थना
हे स्वर्गिक पिता, मुझे अपने जीवन में वह आवाज़ पहचानने में सहायता करें जो आपके वचन, आपकी इच्छा और आपके मार्गों से सहमत होती है। मुझे वह आवाज़ें पहचानने में सहायता करें जो मुझे आपसे और आत्मा की आवाज़ से दूर ले जाएंगी।

आज के लिए वचन
रोमियों 8:14 इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।

गलातियों 5:16–18 पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में लालसा करती है, और ये एक दूसरे के विरोधी हैं; इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ। और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो तो व्यवस्था के आधीन न रहे।

असफलता हार नहीं होती

विष्वासी का जीवन एक संघर्ष है जिसे बाइबल विजय के मंच पर से सिखाती है। जो व्यक्ति परमेष्वर के साथ सही है, वह बहुत समस्याओं का सामना करेगा परन्तु प्रभु उसे उन सब में से छुटकारा दिलाएगा। वास्तव में, परमेष्वर की संतानें जितनी अधिक सताई जाएंगी, वे उतनी ही अधिक वृद्धि और बहुगुणन

edit copy

करेंगी। धर्मी जन चाहे सात बार ही क्यों न गिरे, वह हर बार उठ खड़ा होगा क्योंकि प्रभु हमेषा हमें विजय दिलाता है और हमें मसीह यीषु में जय के उत्सव में लिए फिरता है। कोई हथियार आपके विरूद्ध सफल नहीं होगा और आपके विरूद्ध उठने वाली हम ज़ुबान दोषी ठहराई जाएगी क्योंकि मसीह यीषु में आपकी मीरास यही होगी। प्रभु आपके कदमों की अगुवाई करेगा ताकि चाहे आप गिर ही क्यों न जाएं परन्तु आप पूर्णतः नाष नहीं होंगे क्योंकि प्रभु आपको अपने दाहिने हाथ से संभालेगा और आपका कोई भी कदम नहीं फिसलेगा। असफलता हार नहीं है।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, जितने वचन आपने मुझसे बोले हैं वे सब मुझे स्मरण कराएं और मुझे यह जानने का आत्मविष्वास दें कि आप मुझे न तो कभी छोड़ेंगे और न ही कभी त्यागेंगे ताकि मैं साहस के साथ कह सकूं, "यदि परमेष्वर मेरी ओर है, तो मेरा विरोधी कौन हो सकता है?"

आज के लिए वचन

भजन 37:23–26 मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है; चाहे वह गिरे तौभी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थांभे रहता है।। मैं लड़कपन से लेकर बुढ़ापे तक देखता आया हूं; परन्तु न तो कभी धर्मी को त्यागा हुआ, और न उसके वंश को टुकड़े मांगते देखा है। वह तो दिन भर अनुग्रह कर करके ऋण देता है, और उसके वंश पर आशीष फलती रहती है।।

भजन 34:19 धर्मी पर बहुत सी विपत्तियां पड़ती तो हैं, परन्त यहोवा उसको उन सब से मुक्त करता है।

हो सकता है कि पुराना ही वह नई वस्तु है जिसे आप ढूँढ रहे हैं

जब परमेष्वर ने कहा कि सूर्य के नीचे कुछ भी नया नहीं है, तो उसके कहने का तात्पर्य यह नहीं था कि हमें प्रकाषन नहीं मिलेंगे, या हम अपने ज्ञान से ऊपर कभी कोई खोज नहीं कर पाएंगे या हम कोई नया काम नहीं कर पाएंगे। बल्कि, परमेष्वर का कहने का तात्पर्य यह था कि उसके लिए कुछ भी नया नहीं है और न कभी होगा। बाइबल हमें बताती है कि परमेष्वर आदि से लेकर अंत तक सबकुछ जानता है और यह भी कि वह हमारे विष्वास का कर्त्ता और सिद्ध करने वाला है, पहला और अंतिम है, पुराना और नया है। यहां तक कि परमेष्वर ने अपने पुत्र को संसार की नींव रखे जाने से पहले ही बलिदान कर दिया था।

जब कभी कोई व्यक्ति कोई नया विचार सुनता है, व्यक्तिगत प्रकाषन प्राप्त करता है, या कोई नया तरीका खोजता है, तो उन्हें इसे परमेष्वर के स्थापित वचन, इच्छा और मार्गों के द्वारा परख कर देखना चाहिए। कई लोग परमेष्वर तक पहुंचने के नए नए तरीकों के कारण भटक जाते हैं, वायदे तो बहुत बड़े बड़े करते हैं परन्तु वे सब खाली और खोखले होते हैं, क्योंकि वे परमेष्वर की ओर से नहीं होते। अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए नईं नईं चीज़ें ढूँढने के चक्कर में सुसमाचार के साधारण सत्यों और चिरस्थाई सिद्धांतों को नज़रअंदाज़ न करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, मेरे हृदय को अपने वचन की साधारण नींव पर दृढ़ करें। मेरी सहायता करें कि मैं झूठी षिक्षा और उद्धार के नए मार्गों के कारण भटक न जाऊँ। हे प्रभु आपका मार्ग मेरा मार्ग है। मुझे अपना वचन सिखाएं।

आज के लिए वचन

2 कुरिन्थियों 11:3 परन्तु मैं डरता हूं कि जैसे सांप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सीधाई और पवित्रता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएं।

edit copy

सभोपदेषक 1:9 जो कुछ हुआ था, वही फिर होगा, और जो कुछ बन चुका है वही फिर बनाया जाएगा; और सूर्य के नीचे कोई बात नई नहीं है।

प्रेरित 17:21 (इसलिये कि सब अथेनवी और परदेशी जो वहां रहते थे नई नई बातें कहने और सुनने के सिवाय और किसी काम में समय नहीं बिताते थे)।

प्रकाषितवाक्य 13:8 और पृथ्वी के वे सब रहनेवाले जिन के नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे।

हमारे पास जो है परमेष्वर उसके साथ तब कार्य करता है जब हम यह उसे दे देते हैं

2 राजा 4 अध्याय का आरम्भ उस विधवा की कहानी से होता है जो संकट में थी। ऐसा लगता है कि उसके पति की मृत्यु हाल ही में हुई है और जो अपने पीछे दो पुत्र और कर्ज का एक पहाड़ छोड़ गया है। जब वह अपने सब लेनदारों को संतुष्ट करने के लिए सबकुछ कर चुकी तो वे उसे धमकी देने लगे कि वे उसके पुत्रों को ले जाएंगे और उन्हें तब तक गुलाम बनाकर रखेंगे जब तक उनका सारा कर्ज न उतर जाए। बहुत निराष होकर, वह विधवा परमेष्वर के नबी एलीषा के पास आई। सारी गाथा सुनने के बाद नबी ने उससे एक साधारण प्रष्न पूछा, "तुम्हारे पास क्या है?" उस स्त्री ने ईमानदारी और अपने दिल से जवाब दिया, तथापि वह सच नहीं था। उसने कहा, "मेरे पास कुछ नहीं है।" परन्तु जब हम आगे पढ़ते हैं तो हम पाते हैं कि उसके पास थोड़ा सा तेल था जो एक कुप्पी में या मिट्टी के बर्तन में था। नबी ने उससे कहा कि परमेष्वर को अवसर दे और जो थोड़ा तेरे पास है उस पर परमेष्वर को काम करने दे। जब उसने अपना, जो उसके पास था, परमेष्वर को दे दिया, तो उसे उसका चमत्कार मिल गया और उसकी समस्याएं हल हो गईं। आप भी ऐसा ही कर सकते हैं। आपके पास जो कुछ है उस पर परमेष्वर को कार्य करने का अवसर दें। इसे उसके हाथों में सौंप दें और चमत्कार के लिए विष्वास करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं जानता हूँ कि आपके द्वारा सबकुछ संभव है और यह भी कि मैं यीषु के द्वारा, जो मुझे सामर्थ देता है, सबकुछ कर सकता हूँ। मेरे पास जो कुछ थोड़ा सा है, इसे ले लें, मैं इसे आपको सौंपता हूँ, इसे जैसे चाहे इस्तेमाल करें और आज मुझे बढ़ाएं।

आज के लिए वचन

2 राजा 4:1, 2, 7 भविष्यद्वक्ताओं के चेलों की पत्नियों में से एक स्त्री ने एलीशा की दोहाई देकर कहा, तेरा दास मेरा पति मर गया, और तू जानता है कि वह यहोवा का भय माननेवाला था, और जिसका वह कर्जदार था वह आया है कि मेरे दोनों पुत्रों को अपने दास बनाने के लिये ले जाए। एलीशा ने उस से पूछा, मैं तेरे लिये क्या करूं? मुझ से कह, कि तेरे घर में क्या है? उस ने कहा, तेरी दासी के घर में एक हांड़ी तेल को छोड़ और कुछ नहीं है। तब उस ने जाकर परमेश्वर के भक्त को यह बता दिया। और उस ने कहा, जा तेल बेचकर ऋण भर दे; और जो रह जाए, उस से तू अपने पुत्रों सहित अपना निर्वाह करना।

कभी कभी हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि पेचीदा लोगों को हमारा साधारण संदेष कैसे स्वीकार कराएं

क्या आप कभी इतने ज्ञानवान व्यक्ति से मिले हैं जो साधारण बातों से उलझन में फंस जाए, जो शायद गणित में निपुण है परन्तु समाज में ढंग से बातचीत भी नहीं कर पाता? जिंदगी ऐसे लोगों से भरी पड़ी है जिनकी समस्याएं भिन्न भिन्न हैं, शायद कुछ लोगों की सबसे चुनौतीपूर्ण समस्या यह होती है कि वे अपनी पेचीदा दिखने वाली समस्या के लिए साधारण हल को स्वीकार ही नहीं करते।

प्रेरित पौलुस ने भी ऐसी ही चुनौतियों को सामना किया जब वह अपने समय के भिन्न भिन्न लोगों को गवाही दिया करता था। सफल होने के लिए उसने निर्णय लिया कि वह लोगों जैसा बनेगा और अपने श्रोताओं की

बोली बोलेगा। उनकी परिस्थितियों में अपने आपको ढाल लेने के कारण, उसे ऐसे बहुत अवसर मिले कि वह अपने समय के पेचीदा लोगों को यीषु का साधारण संदेष सुना सके। हम उसके उदाहरण से सीख सकते हैं।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे अपने श्रोताओं की बोली बोलने का अनुग्रह दें ताकि मैं अंधकार में डूबे हुए संसार को यीषु का संदेष और अधिक प्रभावषाली ढंग से सुना सकूं। मेरी सहायता करें कि मैं बोलने से पहले सुनूं, अपने आप को दूसरों के सामने रखने से पहले दूसरों को समझूं।

आज के लिए वचन
1 कुरिन्थियों 9:19—23 क्योंकि सब से स्वतंत्र होने पर भी मैं ने अपने आप को सब का दास बना दिया है; कि अधिक लोगों को खींच लाऊं। मैं यहूदियों के लिये यहूदी बना कि यहूदियों को खींच लाऊं, जो लोग व्यवस्था के आधीन हैं उन के लिये मैं व्यवस्था के आधीन न होने पर भी व्यवस्था के आधीन बना, कि उन्हें जो व्यवस्था के आधीन हैं, खींच लाऊं। व्यवस्थाहीनों के लिये मैं (जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नहीं, परन्तु मसीह की व्यवस्था के आधीन हूं) व्यवस्थाहीन सा बना, कि व्यवस्थाहीनों को खींच लाऊं। मैं निर्बलों के लिये निर्बल सा बना, कि निर्बलों को खींच लाऊं, मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूं, कि किसी न किसी रीति से कई एक का उद्धार कराऊं। और मैं सब कुछ सुसमाचार के लिये करता हूं, कि औरों के साथ उसका भागी हो जाऊं।

आपके भविष्य का निर्धारण आपका अतीत नहीं बल्कि आपका परमेष्वर करता है

राहाब एक वेष्या थी जो मसीह से लगभग 1500 वर्ष पहले यरीहो में रहती थी। वह एक व्यापारी स्त्री थी जिसने अपनी प्रतिष्ठा बनाई थी और जो नगर में विख्यात थी। वह अपने अतीत से बहुत जुड़ी हुई थी और ऐसा लगता था कि उसका भविष्य भी वैसा ही होगा। किसी एक स्थापित व्यवसाय में लगातार कार्य करते रहने और उसमें समृद्ध हो जाने से वह हम पर नियंत्रण करने लगता है, हमारे विकल्पों को सीमित करता है और हमारे भविष्य का निर्धारण करता है। तथापि, राहाब के साथ ऐसा नहीं हुआ। जब राहाब ने अपने जीवन को पुराने ढंग से जीना छोड़ कर अपना भविष्य परमेष्वर के हाथों में सौंप दिया तो उसका जीवन बदल गया।

आपके साथ भी ऐसा ही है। आपका अतीत आपके भविष्य का निर्धारण या उसे सीमित नहीं कर सकता चाहे आपके पास और कोई विकल्प न हो और न ही आप कुछ और जानते हों ... परमेष्वर के पास भिन्न योजनाएं हैं। मैं आपको चुनौती देता हूँ कि अपना भविष्य परमेष्वर के हाथों में सौंप दें। जहां परिवर्तन की आवष्यकता है वहां उसे परिवर्तन करने का अवसर दें और उसकी योजना सफल करने के लिए अपने जीवन की दिषा पुनः निर्धारित करें। हो सकता है कि इसके लिए आपको भी परिवर्तन के कठोर कदम उठाने पड़ें, परन्तु कभी न डरें, परमेष्वर आपके प्रत्येक कदम पर आपके साथ रहेगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता परमेष्वर, यदि मेरे मार्ग में कोई बाधा है जो मुझे आपका कार्य करने से रोक रही है तो मैं प्रार्थना करता हूँ कि उसे हटा दें। मैं अपना शेष जीवन आपको सौंपता हूँ। मुझे बदलें, मुझे ढालें, मुझे भरे और मुझे इस्तेमाल करें। मैं आपका हूँ।

आज के लिए वचन
यहोषू 2:1 तब नून के पुत्र यहोशू ने दो भेदियों को शित्तीम से चुपके से भेज दिया, और उन से कहा, जाकर उस देश और यरीहो को देखो। तुरन्त वे चल दिए, और राहाब नाम किसी वेश्या के घर में जाकर सो गए।

edit copy

इब्रानी 11:31 विश्वास ही से राहाब वेश्या आज्ञा न माननेवालों के साथ नाश नहीं हुई; इसलिये कि उस ने भेदियों को कुशल से रखा था।

आप उस खेल पर क्या बाज़ी लगाने को तैयार हैं जो खेला जा चुका है?

कल्पना करें कि आपको आने वाले कल के समाचार पत्र की एक कॉपी मिल जाती है और आपको पता चल जाता है कि विष्व कप प्रतियोगिता कौन जीतेगा। कल्पना करें कि केवल आपको ही पता है कि इस खेल का नतीजा क्या निकलने वाला है। आप क्या करेंगे? शायद दूसरों की तरह आप भी, इस खेल पर बाज़ी लगाने के अवसर का भरपूर लाभ उठाएंगे और अपना सबकुछ, जितना आप प्राप्त कर सकते हैं या जितना भी आप उधार ले सकते हैं, वह सब दाव पर लगा देंगे। यह भी समझदारी की बात होगी कि आप ज़िंदगी में एक बार आने वाले इस अवसर का लाभ उठाने के लिए अपने परिवार, और अपने मित्रों को भी इसमें शामिल करें। क्यों न यह खुषखबरी चारों और फैलाई जाए?

दरअसल ऐसा अवसर आज उपलब्ध है और इसका लाभ उठाने का असवर आपके पास है क्योंकि आप जानते हैं कि यह खेल कौन जीतेगा। बाइबल आने वाले कल का प्रमाणित समाचार पत्र है और क्या आप जानते हैं ... कि यीषु ही जीतेगा! आप इस खेल पर क्या बाज़ी लगाने को तैयार हैं जो खेला जा चुका है?

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, मैं विष्वास करता हूँ कि आपके पास एक योजना है, आप सफल होंगे और यह भी कि इसमें शामिल होने का अवसर भी मेरे पास है। सत्य के वचन और मसीह में मिलने वाली विजय का गवाह बनने की सामर्थ मुझे दें।

आज के लिए वचन

इब्रानी 4:3 और हम जिन्हों ने विश्वास किया है, उस विश्राम में प्रवेश करते हैं; जैसा उस ने कहा, कि मैं ने अपने क्रोध में शपथ खाई, कि वे मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाएंगे, यद्यपि जगत की उत्पत्ति के समय से उसके काम हो चुके थे।

रोमियों 8:28 और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।

यषायाह 46:10 मै तो अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताता आया हूं जो अब तक नहीं हुई। मैं कहता हूं, मेरी युक्ति स्थिर रहेगी और मैं अपनी इच्छा को पूरी करूंगा।

अनुग्रह का एक क्षण हज़ारों दिन के परिश्रम से अधिक मूल्यवान है

मान लो कि परमेष्वर आपको आपकी कल्पना से कहीं बढ़कर आषीष देना चाहता है। यदि उसकी इच्छा हो तो वह आपको लॉटरी का टिकट दिलवाकर जिता सकता है, या किसी से सपने में बात करके आपकी पद्दौन्नति करवा सकता है। परमेष्वर के वचन में हम पाते हैं कि परमेष्वर कई लोगों को अचानक से बहुत ऊँचे पद पर ले आया, विषेषकर तब जब उन्होंने इसकी अपेक्षा भी नहीं की थी। यूसुफ के साथ भी ऐसा ही हुआ जब उसे बंदीगृह से निकालकर फिरौन के पास लाया गया, और उसने उसे अपने साम्राज्य पर अधिकारी नियुक्त कर दिया। दानिय्येल के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिस पर अचानक से राजा का अनुग्रह हुआ।

नए नियम में, प्रभु यीषु ने पतरस को अचानक से बहुतायत की आषीष के रूप में ढेर सारी मछलियां पकड़वा दीं और इस बात को प्रमाणित किया कि परमेष्वर के अनुग्रह का एक क्षण आपके परिश्रम के हज़ारों दिनों से अधिक मूल्यवान है। अपनी पद्दौन्नति और अपनी आवष्यकताओं की पूर्ति के लिए परमेष्वर के अनुग्रह पर विष्वास करें, भरोसा रखें और निर्भर रहें।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय परमेष्वर, आपने मुझ पर अपना अनुग्रह किया है और मुझे प्रत्येक पार्थिव और अत्मिक आषीष बहुतायत से दी है। मेरे लिए आवष्यक द्वार खोलें और आपकी इच्छा की पूर्ति के लिए मेरे सर्वोत्तम स्थान में मुझे ले चलें।

आज के लिए वचन
भजन 75:6–7 क्योंकि बढ़ती न तो पूरब से न पच्छिम से, और न जंगल की ओर से आती है; परन्तु परमेश्वर ही न्यायी है, वह एक को घटाता और दूसरे को बढ़ाता है।

नीतिवचन 3:3–4 कृपा और सच्चाई तुझ से अलग न होने पाएं; वरन उनको अपने गले का हार बनाना, और अपनी हृदयरूपी पटिया पर लिखना। और तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों का अनुग्रह पाएगा, तू अति बुद्धिमान होगा।।

नीतिवचन 18:22 जिस ने स्त्री ब्याह ली, उस ने उत्तम पदार्थ पाया, और यहोवा का अनुग्रह उस पर हुआ है।

कभी कभी ऐसा होता है कि किसी एक वस्तु या कार्य को पूर्णतः पकड़ने के लिए किसी दूसरी वस्तु या कार्य को पूर्णतः छोड़ना पड़ता है

बचपन में एक बार मैं सर्कस देखने गया और वहां ऊँचाई पर कलाकारों को एक आकाषी झूले पर से दूसरे आकाषी झूले पर छलांगे लगाता देखकर मैं दंग रह गया। मैंने उन्हें करतब करते देखा, कलाबाज़ियां खाते देखा, एक दूसरे को हवा में पकड़ते देखा और फिर देखा कि वे एक दूसरे को एक कोने में बने मंच पर आराम से उतार रहे हैं। उन कलाकारों को निहारते हुए मैंने जीवन के जो सिद्धांत सीखे उनके बारे में मैंने बीते वर्षों में बहुत सोचा है। उनकी सफलता के लिए आवष्यक था कि उन्हें एक वस्तु को पूर्णतः पकड़ने के लिए दूसरी वस्तु को पूर्णतः छोड़ना पड़ता था। जीवन का अधिकांष हिस्सा इसी सिद्धांत पर कार्य करता है। अतीत को थामें रहने से या अतीत के कुछ भाग को थामें रहने से, चाहे उसमें लाभ भी शामिल हों, हम परमेष्वर के दिए हुए भविष्य को पूर्णतः कभी नहीं पकड़ पाएंगे। अतीत के कुछ अनुभवों को छोड़ना कठिन हो सकता है, तथापि, उन्हें जीवनभर साथ घसीटते रहना उससे भी अधिक कठिन होता है क्योंकि वे आपकी प्रगति को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए, यदि उन्हें छोड़ना आपको कठिन लग रहा है, तो परमेष्वर से सहायता मांगे और अपने जीवन में आगे बढ़ें।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रिय परमेष्वर, कृपया मेरी सहायता करें कि मैं अतीत को उसके उचित स्थान पर रख सकूं और उन बातों को छोड़ सकूं जो मुझे आगे बढ़ने और आपकी इच्छा पूरी करने से रोकती हैं। आपका धन्यवाद, आमीन।

आज के लिए वचन
यषायाह 43:18–19 अब बीती हुई घटनाओं का स्मरण मत करो, न प्राचीनकाल की बातों पर मन लगाओ। देखो, मैं एक नई बात करता हूं; वह अभी प्रगट होगी, क्या तुम उस से अनजान रहोगे? मैं जंगल में एक मार्ग बनाऊंगा और निर्जल देश में नदियां बहाऊंगा।

फिलिप्पियों 3:13–14 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ। निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

अक्सर जो काम हम नहीं करना चाहते उसके बारे में सुनना भी पसंद नहीं करते

कई बार लोग मेरे पास इस आषा से आते हैं कि मैं उनके जीवन की समस्याओं को हल करने में उनकी सहायता करूंगा। कुछ लोग उनकी नौकरी, उनके धन, उनके वैवाहिक जीवन और अन्य संबंधों के बारे में परामर्ष लेते हैं। कभी कभी मैं ऐसे लोगों से भी मिलता हूँ जो यह निर्णय लेकर मेरे पास आते हैं किस परामर्ष को स्वीकार करेंगे और किसे नहीं। ऐसे लोगों को समझाने में बहुत कठिनाई होती है जो प्रभावषाली समाधानों के लिए सब द्वार बंद कर देते हैं क्योंकि वे उन्हें करना ही नहीं चाहते। अक्सर जो काम हम नहीं करना चाहते उसके बारे में सुनना भी पसंद नहीं करते।

अपने आप से यह प्रष्न पूछें: "क्या मैं परमेष्वर के वचन या ईष्वरीय परामर्ष को स्वीकार नहीं करता हूँ, चाहे इसकी मांगें कुछ भी हों?" आप किस समाधान को सुनना नहीं चाहते? मैं आपको यही परामर्ष दूंगा कि आप अपनी एकमात्र आषा को न ठुकराएं ... प्रभु का वचन सुनें और मन फिराएं।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे प्रिय स्वर्गिक पिता, आपके वचन, इच्छा और मार्गों के लिए मेरा मन खोलें। मुझे ईष्वरीय परामर्ष के द्वारा चुनौती दें ताकि मैं अपने प्रत्येक कार्य में आपका चयन करूँ।

<u>आज के लिए वचन</u>

यूहन्ना 6:60, 66 इसलिये उसके चेलों में से बहुतों ने यह सुनकर कहा, कि यह बात नागवार है; इसे कौन सुन सकता है? इस पर उसके चेलों में से बहुतेरे उल्टे फिर गए और उसके बाद उसके साथ न चले।

मत्ती 19:21–22 यीशु ने उस से कहा, यदि तू सिद्ध होना चाहता है; तो जा, अपना माल बेचकर कंगालों को दे; और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा; और आकर मेरे पीछे हो ले। परन्तु वह जवान यह बात सुन उदास होकर चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था।।

हमारा संदेष प्राथमिक रूप से उन लोगों के लिए नहीं है जो विष्वास नहीं करना चाहते, बल्कि उन लोगों के लिए है जो विष्वास करना चाहते हैं और नहीं जानते कि किस पर विष्वास करें

सुसमाचार प्रचार भिड़ंत की सेवकाई नहीं है। हमें पके हुए फलों को सावधानी से और प्रेम के साथ कटनी करने के लिए बुलाया गया है, ताकि परमेष्वर के समय पर वे फल दाखलता से अपने आप गिरकर हमारे हाथों में आ जाएं। जब हम कच्चे फलों को देखते हैं तो हमें कहा गया है कि हम उसकी भूमि की जुताई करें, बीज को पानी दें और पौधे में खाद डालें, साथ ही उन कच्चे फलों को नुकसान न पहुंचाएं। परमेष्वर ने फसल की कटनी के लिए हमें जो सादृष्यता दी है वह हमें परमेष्वर के खेतों की सेवा में अच्छे भंडारी बनने के लिए जिम्मेदार बनाती है। किसी को भी यह अधिकार नहीं मिला है कि वह किसी खेत का निरादर करें, किसी बीज को जड़ से उखाड़ फेंके या फसल को नुकसान पहुंचाए। जब हम किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं जिसका हृदय तैयार नहीं है, तो हमें सावधान रहना चाहिए कि वह एक प्रेमी सेवक से गवाही सुने, जो स्वामी का किसान है। हमारा संदेष प्राथमिक रूप से उन लोगों के लिए नहीं है जो विष्वास नहीं करना चाहते, बल्कि उन लोगों के लिए है जो विष्वास करना चाहते हैं और नहीं जानते कि किस पर विष्वास करें।

<u>आज के लिए प्रार्थना</u>

हे पिता, मैं अपने लिए और आपके खेतों के अन्य मजदूरों के लिए प्रार्थना करता हूँ। हमें बुद्धि, अनुग्रह, धीरज और हमारे स्वर्गिक पिता के प्रेम और देखभाल के साथ फल एकत्र करने के लिए आवष्यक हुनर दें। हम सभी को दयालू और प्रेमी बनने में सहायता करें, यह याद रखते हुए कि हम भी एक बार पापी थे और अब बचाए हुए हैं।

<u>आज के लिए वचन</u>

edit copy

यूहन्ना 4:35–37 क्या तुम नहीं कहते, कि कटनी होने में अब भी चार महीने पड़े हैं? देखो, मैं तुम से कहता हूँ, अपनी आंखे उठाकर खेतों पर दृष्टि डालो, कि वे कटनी के लिये पक चुके हैं। और काटनेवाला मजदूरी पाता, और अनन्त जीवन के लिये फल बटोरता है; ताकि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द करें। क्योंकि इस पर यह कहावत ठीक बैठती है कि बोनेवाला और है और काटनेवाला कोई और।

लूका 10:2–3 और उस ने उन से कहा; पक्के खेत बहुत हैं; परन्तु मजदूर थोड़े हैं: इसलिये खेत के स्वामी से बिनती करो, कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे। जाओ; देखों मैं तुम्हें भेड़ों की नाईं भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ।

अधिकतर बार पहला कदम आपको उठाना पड़ता है

पूरा हुआ! कलवरी के क्रूस पर, परमेष्वर ने आपके लिए प्रत्येक पार्थिव और आत्मिक आषीष एवं लाभ प्राप्त करने का अधिकार खरीद लिया। परमेष्वर ने अपना अनुग्रह सम्पूर्ण मानवजाति के लिए खोल दिया और उस अनुग्रह के द्वारा ही हमारे लिए सबकुछ प्रबंध किया। यदि यीषु ने इसकी कीमत क्रूस पर चढ़कर, अपनी पीठ पर कोड़े खाकर और संसार द्वारा ठुकराए जाकर अदा की है तो यह सब आपका है। दरअसल, परमेष्वर के द्वारा जो कुछ भी होना है वह सब पूरा हो चुका है। अब आपकी बारी है।

1 राजा 17 अध्याय की विधवा के समान, जिसे परमेष्वर ने आदेष दिया था कि वह एलिय्याह नबी की देखभाल करे, उसके लिए परमेष्वर की इच्छा और प्रबंध उपलब्ध था, परन्तु उसे प्राप्त करने के लिए उसे पहला कदम उठाने की आवष्यकता थी। "पहले रोटी बनाकर मुझे दे", एलिय्याह ने कहा, "और परमेष्वर तेरा प्रयोजन निरंतर करता रहेगा।" शायद आपके उद्धार के लिए आपको पहला कदम उठाने की आवष्यकता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेष्वर, मैं केवल बैठकर प्रतीक्षा नहीं करना चाहता कि आप आकर मुझे बचाएंगे। मैं जान गया हूँ कि मसीह में आपने मुझे बचा लिए है और अब मेरी बारी है कि मैं आपके प्रयोजनों का लाभ उठाऊँ। मुझे मेरा पहला कदम दिखाएं।

आज के लिए वचन

1 राजा 17:13–16 एलिय्याह ने उस से कहा, मत डर; जाकर अपनी बात के अनुसार कर, परन्तु पहिले मेरे लिये एक छोटी सी रोटी बनाकर मेरे पास ले आ, फिर इसके बाद अपने और अपने बेटे के लिये बनाना। क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, कि जब तक यहोवा भूमि पर मेंह न बरसाएगा तब तक न तो उस घड़े का मैदा चुकेगा, और न उस कुप्पी का तेल घटेगा। तब वह चली गई, और एलिय्याह के वचन के अनुसार किया, तब से वह और स्त्री और उसका घराना बहुत दिन तक खाते रहे। यहोवा के उस वचन के अनुसार जो उस ने एलिय्याह के द्वारा कहा था, न तो उस घड़े का मैदा चुका, और न उस कुप्पी का तेल घट गया।

तुम कौन हो?

हमें केवल यीषु के बारे में ही नहीं जानना है बल्कि स्वयं यीषु को जानना है। यीषु के साथ हमारे व्यक्तिगत संबंध के कारण उसकी महिमा हममें से प्रतिबिम्बित होती है, और इस प्रकार हमें जगत की ज्योति बनाती है। वचन यह घोषणा करता है कि हम अंधकार में प्रकाष के समान चमकते हैं, हमारी इस ज्योति को न केवल संसार के लोग देखकर परमेष्वर की महिमा करते हैं बल्कि इस संसार की आत्माएं भी हमारी धार्मिक अवस्था और यीषु के साथ हमारे संबंध की वास्तविकता को देख सकती हैं।

प्रेरितों के काम की पुस्तक के अध्याय 19 में सात व्यक्ति थे जो महायाजक के पुत्र थे, जिन्होंने पौलुस को यीषु का प्रचार करते सुना, और सोचने लगे कि वे भी एक दुष्टात्माग्रस्त व्यक्ति में से दुष्टात्मा निकाल सकते हैं। दुष्टात्मा ने यह कहते हुए उन्हें उत्तर दिया, "यीषु को मैं जानती हूँ, पौलुस को भी मैं जानती हूँ;

edit copy

पर तुम कौन हो?" यीषु के बारे में जानना और यीषु को जानना एक समान नहीं हैं और यदि आप उसे नहीं जानते तो दूसरे इस बात को पहचान लेंगे। सो, तुम कौन हो?

आज के लिए प्रार्थना
हे स्वर्गिक पिता, मैं आपको और आपके पुत्र को इतनी गहराई से जानना चाहता हूँ कि मेरा प्रकाष लोगों के सामने चमके और दुष्टात्माएं मेरे सामने कांपने लगें। इसलिए, मैं अपने सब पापों के लिए क्षमा मांगता हूँ और सब अधर्म से शुद्ध होना चाहता हूँ और सुसमाचार के प्रकटीकरण के लिए आपकी सामर्थ मांगता हूँ।

आज के लिए वचन
प्रेरित 19:15, 16 पर दुष्टात्मा ने उत्तर दिया, कि यीशु को मैं जानती हूं, और पौलुस को भी पहचानती हूं; परन्तु तुम कौन हो? और उस मनुष्य ने जिस में दुष्ट आत्मा थी; उन पर लपककर, और उन्हें वश में लाकर, उन पर ऐसा उपद्रव किया, कि वे नंगे और घायल होकर उस घर से निकल भागे।

कभी किसी व्यक्ति को अनन्त जीवन प्राप्त करने से न रोकें

कल्पना करें कि आप किसी काम से बाहर गए हुए हैं और उधर आपकी माता या भाई या कोई गहरा मित्र आपके घर आ जाता है। तभी अचानक एक कार आपके घर के बाहर आकर रूकती है और उसमें से एक वकील उतर कर एक खुषखबरी सुनाने के लिए आपके घर की ओर बढ़ता है...एक धनी व्यक्ति मरने से पहले अपनी सारी सम्पत्ति की वसीयत आपके नाम लिख गया है, अब उसकी मृत्यु हो गई है और उसके करोड़ों रूपए अब आपके हैं। अब कल्पना करें कि आपके घर वाले केवल यह सोचकर, आपको इस खुषखबरी और आपकी जायदाद के बारे में न बताएं कि आप इसमें को रूचि नहीं लेंगे, तो इस बात का आप पर क्या प्रभाव पड़ेगा। हो सकता है कि आप कई दिनों, महीनों, वर्षों या शायद जीवनभर यह बात न जान पाएं। यह कल्पना से परे की बात लगती है, परन्तु फिर भी ऐसा प्रतिदिन होता है जब लोग यीषु मसीह की खुषखबरी अपने तक ही सीमित रखते हैं और दूसरों को उनकी जायदाद के बारे में नहीं बताते, केवल यह सोचते हुए कि शायद वे इसमें कोई रूचि नहीं लेंगे। कभी किसी व्यक्ति को अनन्त जीवन प्राप्त करने से न रोकें।

आज के लिए प्रार्थना
हे स्वर्गिक पिता, मैं संसारभर के लोगों तक खुषखबरी लेकर जाना चाहता हूँ। मुझे यह दर्षन दें कि कोई भी व्यक्ति अपनी जायदाद के खुषखबरी सुनने से मना नहीं करेगा। मैं किसी दूसरे व्यक्ति को अनन्त जीवन प्राप्त करने से नहीं रोकूंगा। आमीन।

आज के लिए वचन
इब्रानी 9:16–17 क्योंकि जहां वाचा बान्धी गई है वहां वाचा बान्धनेवाले की मृत्यु का समझ लेना भी अवश्य है। क्योंकि ऐसी वाचा मरने पर पक्की होती है, और जब तक वाचा बान्धनेवाला जीवित रहता है, तब तक वाचा काम की नहीं होती।

रोमियों 8:17 और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, बरन परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, जब कि हम उसके साथ दुख उठाएं कि उसके साथ महिमा भी पाएं।।

रोमियों 10:14 फिर जिस पर उन्हों ने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्योंकर लें? और जिस की नहीं सुनी उस पर क्योंकर विश्वास करें?

हमारी अनभिज्ञता के आधार पर दूसरों के सपनों को मापना खतरनाक है

मुझे यह जानकर चिंता होती है कि हमारी विचारधारा वर्तमान में किसी एक विषय पर हमारी सीमित जानकारी पर आधारित होती है। ऐसा कदापि नहीं हो सकता कि हम प्रत्येक विषय के बारे में सबकुछ

जानते हैं। जब हम दूसरों के सपनों, उपलब्धियों, प्राप्तियों, योग्यताओं, बुद्धि, कार्य या मूल्य का फैसला करते हैं, तो हम ऐसा बहुत ही सीमित दृष्टिकोण के कारण करते हैं। जब तक कि हम सबकुछ न जान लें, तब तक हम कुछ न कुछ सीखने वाले विद्यार्थी बनें रहेंगे और अक्सर हमें पता चलेगा है कि हमारा विचार उतना सही नहीं था जितनी हमने कल्पना की थी। यही कारण है कि पहली मुलाकात कितनी गलतफहमी पैदा कर सकती है। मैंने कई बार कहा है कि हमें तब तक प्रतीक्षा करनी चाहिए जब तक कि हम एक बार प्रभावित न हो जाएं और एक बार तनाव में न आ जाएं और फिर कुछ और समय बिताना चाहिए कि हम यह फैसला कर पाएं कि हमने सच्चा मित्र पा लिया है या नहीं। बहुत जल्दी किसी का न्याय न करें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेष्वर, दूसरों का न्याय करने और उन्हें अपनी सोच और उनके बारे में अपनी जानकारी तक सीमित करने के लिए मुझे क्षमा कर दें। मुझे धीरजवंत बनने में सहायता करें और पवित्र आत्मा के द्वारा अपने समय में स्वर्ग का दृष्टिकोण प्रकट करें।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 7:24 मुंह देखकर न्याय न चुकाओ, परन्तु ठीक ठीक न्याय चुकाओ।।

लूका 6:37 दोष मत लगाओ; तो तुम पर भी दोष नहीं लगाया जाएगाः दोषी न ठहराओ, तो तुम भी दोषी नहीं ठहराए जाओगेः क्षमा करो, तो तुम्हारी भी क्षमा की जाएगी।

मत्ती 7:1—2 दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए। क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।

प्रतिज्ञा का अंगीकार करें, समस्या का नहीं

परमेष्वर को यह बताने की बजाय कि आपकी समस्या कितनी बड़ी है, समस्या को बताएं कि आपका परमेष्वर कितना बड़ा है। बहुत लोगों के लिए प्रार्थना का समय षिकायतें करने का समय होता है। वे जब भी प्रार्थना करते हैं, उनके पास जीवन के दुखों, रिष्तों में दरारों या कमाई में कमी जैसी षिकायतों की लम्बी सूची होती है। वे प्रार्थना में परमेष्वर का वचन बोलकर अपने विष्वास को बढ़ाने की बजाय अपना सारा समय परमेष्वर को अपनी समस्याएं बताने में ही बिताते हैं।

गिनती की पुस्तक का 13 और 14 अध्याय उन 12 लोगों के विषय में हमें बताता है जिन्होंने एकसाथ सबकुछ देखा और अपने अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। उन में से 10 लोगों ने केवल समस्याएं बोलीं, जबकि 2 लोगों, यहोषू और कालेब ने प्रतिज्ञाएं बोलीं। अंत में परमेष्वर ने कहा कि जैसे जैसे प्रत्येक व्यक्ति ने कहा है उनके साथ वैसा ही होगा। आप क्या देखते हैं, प्रतिज्ञाएं या समस्याएं?

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं उन लोगों के समान नहीं बनना चाहता जो मरुस्थल में कुड़कुड़ाए और षिकायतें की। वे उस शांति में कभी प्रवेष नहीं कर पाए जिसकी प्रतिज्ञा आपने की थी। बल्कि प्रभु मुझे याद दिलाते रहें कि मुझे विष्वास और भरोसे के साथ प्रार्थना में आवाज़ उठानी है कि आपकी प्रतिज्ञाएं मेरे जीवन में अवष्य पूरी होंगी।

आज के लिए वचन

गिनती 14:28 सो उन से कह, कि यहोवा की यह वाणी है, कि मेरे जीवन की शपथ जो बातें तुम ने मेरे सुनते कही हैं, निःसन्देह मैं उसी के अनुसार तुम्हारे साथ व्यवहार करूंगा।

edit copy

1 कुरिन्थियों 10:10 और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उन में से कितने कुड़कुड़ाए, और नाश करनेवाले के द्वारा नाश किए गए।

गिनती 11:1 फिर वे लोग बुड़बुड़ाने और यहोवा के सुनते बुरा कहने लगे; निदान यहोवा ने सुना, और उसका कोप भड़क उठा, और यहोवा की आग उनके मध्य जल उठी, और छावनी के एक किनारे से भस्म करने लगी।

अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों में होता है। शब्दावली के कारण सत्य को न खो बैठें।

शब्द हमारे वार्तालाप के अयथार्थ माध्यम होते हैं। यदि मैं हरा रंग बताना चाहता हूँ, तो आप मेरे केवल एक शब्द से उस रंग का अनुमान नहीं लगा सकते जिसे में बताने की कोषिष कर रहा हूँ। क्या आप बसंत के मौसम के हरें रंग की कल्पना कर रहे हैं या फौज का गहरा हरा रंग? कौन जान सकता है कि मैं किस हरे रंग की बात कर रहा हूँ या क्या पता यह कोई और ही हरा रंग हो जिसे आप हरा रंग मानते ही न हों? लोगों के कहने का अर्थ समझना उनके शब्दों को सुनने मात्र से कहीं बढ़कर है। कभी कभी लोग कहते हैं कि "मैं तुमसे प्रेम करता हूँ" या "मैं तुमसे नफरत करता हूँ" जबकि उनके कहने का अर्थ यह बिल्कुल भी नहीं होता क्योंकि अर्थ शब्दों में नहीं, लोगों में है। शब्दों को समझने के लिए हमें लोगों को समझना होगा। इसी कारण प्रभु यीषु के माध्यम से परमेष्वर के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाना हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है ताकि उसके वचन को बेहतर ढंग से समझने के लिए हम उसे आत्मा की संगति में जान सकें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं आपको वचन में और आत्मा में जानना चाहता हूँ। अपने आप को मुझ पर प्रकट करें और आपके वचन के मात्र शब्दों की बजाय उसके अर्थ और उद्देष्य की बेहतर समझ दें।

आज के लिए वचन
2 कुरिन्थियों 3:6 जिस ने हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया, शब्द के सेवक नहीं बरन आत्मा के; क्योंकि शब्द मारता है, पर आत्मा जिलाता है।

इफिसियों 5:17 इस कारण निर्बुद्धि न हो, पर ध्यान से समझो, कि प्रभु की इच्छा क्या है?

फिलिप्पियों 3:10 और मैं उसको और उसके मृत्युंजय की सामर्थ को, और उसके साथ दुखों में सहभागी हाने के मर्म को जानू, और उस की मृत्यु की समानता को प्राप्त करूं।

हम इससे प्रभावित नहीं होते कि हमारे बच्चों के अध्यापक कितना जानते हैं, बल्कि इससे कि हमारे बच्चे कितना सीखते हैं

पहली कक्षा के अध्यापक मूर्ख नहीं होते। ऐसा नहीं है कि पहली कक्षा के अध्यापक आधुनिक गणित नहीं जानते, बल्कि यह आषा की जाती है कि उनमें इतनी समझ हो कि वे पहली कक्षा के विद्यार्थियों को आधुनिक गणित सिखाने का प्रयास न करें। हम अपेक्षा करते हैं कि अध्यापक के पास हमारे बच्चों से अधिक ज्ञान हो, तथापि, हम यह अपेक्षा नहीं करते कि हमारे बच्चे केवल यह ज्ञान प्राप्त करके अपनी कक्षा से निकलें कि उनका अध्यापक तो बहुत ज्ञानवान है और उनसे कहीं अधिक जानता है। हम अपेक्षा करते हैं कि हमारे बच्चों को इससे अधिक सिखाया जाए... परमेष्वर भी ऐसा ही चाहता है। परमेष्वर अपेक्षा करता है कि उसके षिक्षक और प्रचारक उसके नए जन्में बच्चों से अधिक ज्ञानवान हों। परन्तु उसे भी यह जानकर निराषा होती है कि उसके बच्चे केवल इतना ही सीख रहे हैं कि कुछ प्रचारक या संडे स्कूल के षिक्षक बहुत ज्ञानवान हैं और उनसे कहीं अधिक जानते हैं। सोचें कि लोग आपसे क्या सीख रहे हैं? क्या यह वह है जिसकी उन्हें आवष्यकता है या वह जिसकी आपको आवष्यकता है?

edit copy

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, मैं जीवन परिवर्तन करने वाला बनना चाहता हूँ, अपनी प्रतिष्ठा स्थापित नहीं करना चाहता, बल्कि अपने श्रोताओं के जीवन में आपका राज्य स्थापित करना चाहता हूँ। हे प्रभु, आपका वचन ऐसे सिखाने की बुद्धि मुझे दें कि दूसरे लोग इसे समझ सकें और वृद्धि कर सकें। आमीन।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 14:19 परन्तु कलीसिया में अन्य भाषा में दस हजार बातें कहने से यह मुझे और भी अच्छा जान पड़ता है, कि औरों के सिखाने के लिये बुद्धि से पांच ही बातें कहूं।।

1 पतरस 2:2 नये जन्में हुए बच्चों के समान निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उद्धार पाने के लिये बढ़ते जाओ।

1 कुरिन्थियों 9:22 मैं निर्बलों के लिये निर्बल सा बना, कि निर्बलों को खींच लाऊं, मैं सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना हूं, कि किसी न किसी रीति से कई एक का उद्धार कराऊं।

चिह्न अविष्वासियों के लिए हैं

हम ऐसे चिह्न 'घास पर न चलें', 'प्रवेष निषेध', या 'खतरा' उन लोगों की जानकारी के लिए लगाते हैं जिन्हें इसके बारे में नहीं पता होता। चिह्नों का उपयोग लोगों को यह याद करवाने के लिए भी किया जाता है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। जब प्रेरित पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया को बताया कि अन्यभाषा विष्वासियों के लिए नहीं बल्कि अविष्वासियों के लिए चिह्न हैं, तो दरअसल वह अपने समय के लोगों को प्रोत्साहित कर रहा था कि वे पवित्र आत्मा की भरपूरी से शर्मिंदा न हों। न ही हमें शर्मिंदा होना चाहिए।

नया जन्म पाने के बाद हमारे जीवन में कई परिवर्तन आने चाहिएं और परमेष्वर के वचन के जीवित उदाहरण बन जाने चाहिएं। ये परिवर्तन हमें उन लोगों से भिन्न बनाते हैं जो यीषु को नहीं जानते और उन लोगों से भी जो यीषु को जानते तो हैं परन्तु उन्हें उनके संबंध के बारे में याद दिलाना पड़ता है कि उन्होंने क्या समर्पण किया था। जब आप इस खोए हुए और दुखी संसार के लिए नमक और ज्योति बनकर जीएंगे तो अविष्वासी आपके जीवन से प्रभावित होंगे।

आज के लिए प्रार्थना

हे स्वर्गिक पिता, मैं फैसला करता हूँ कि मैं प्रभु यीषु मसीह के सुसमाचार से और आपमें अपनी गवाही से लज्जित नहीं हूंगा। मेरा जीवन बदलने और आपके वचन के गवाह के रूप में जीने के लिए सहायता करने के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 14:22 इसलिये अन्यान्य भाषाएं विश्वासियों के लिये नहीं, परन्तु अविश्वासियों के लिये चिह्न हैं, और भविष्यद्वाणी अविश्वासीयों के लिये नहीं परन्तु विश्वासियों के लिये चिह्न हैं।

रोमियों 1:16 क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहिले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है।

मत्ती 5:13 तुम पृथ्वी के नमक हो; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा? फिर वह किसी काम का नहीं, केवल इस के कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए।

edit copy

आपके साथ सहमत होने वाले सभी व्यक्ति आपके मित्र नहीं होते

बहुत सारे अपराध एक से अधिक लोगों के द्वारा मिलकर किए जाते हैं जो इस काम के लाभ प्राप्त करने के लिए सहमत होते हैं। बहुत कम लोग ही इस बारे में सोचते हैं कि वे पकड़े जाएंगे और उन्हें इसकी सजा जेल में काटनी पड़ेगी। तथापि, लगभग हर देष की जेलें और कारागार भरे पड़े हैं तथा उनमें और कैदियों को रखने की भी जगह नहीं है, क्योंकि उन लोगों के मन में अपराध करने का विचार आया और उन्हें कुछ लोग भी मिले जो उनके साथ सहमत हो गए और उनके साथ उनके अपराध में शामिल भी हो गए। केवल इसलिए कि कोई आपके साथ सहमत है, इससे यह प्रमाणित नहीं होता कि जो आप सोच रहे हैं वह सही है और न ही ऐसा करने से वह आपका मित्र बन जाता है। एक मित्र दूसरे मित्र को गलती नहीं करने देता और उसे चुनौती देता है। बहुमत के द्वारा सत्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता। केवल आपके साथ सहमत होने वाले लोगों के कारण सुरक्षा की झूठी भावना को स्वीकार न करें। ईष्वरीय परामर्ष की तलाष करें और परमेष्वर के वचन से परामर्ष लें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, मुझे सच्चे मित्र दें जो मेरी आवष्यकता की घड़ी में आपका वचन मेरे जीवन में बोलें। मुझे भी ऐसा मित्र बनने में सहायता करें जो दूसरों के गलत कामों में सहमत न हो बल्कि जिम्मेदारी से उन्हें समझाए।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 27:6 जो घाव मित्र के हाथ से लगें वह विश्वासयोग्य है परन्तु बैरी अधिक चुम्बन करता है।

रोमियों 3:4 कदापि नहीं, बरन परमेश्वर सच्चा और हर एक मनुष्य झूठा ठहरे, जैसा लिखा है, कि जिस से तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे और न्याय करते समय तू जय पाए।

नीतिवचन 14:12 ऐसा मार्ग है, जो मनुष्य को ठीक देख पड़ता है, परन्तु उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है।

कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं होती कि आप उसमें से बाहर न निकल सकें, उसे हरा न सकें या उसका समाधान न कर सकें

कोई भी समस्या इतनी बड़ी नहीं होती कि आप उसमें से बाहर न निकल सकें, उसे हरा न सकें या उसका समाधान न कर सकें, यदि आप केवल सही मार्ग पर चलें और और अपनी मंज़िल तक पहुंचने तक उस सही मार्ग पर बनें रहें। बुरे निर्णय, गलत निर्णय और भारी गलतियां समस्याएं नहीं हैं बल्कि प्रक्रिया का हिस्सा हैं। आपकी जीवनगाथा अभी तक पूरी तरह नहीं लिखी गई है और आपके पास प्रतिदिन नया अध्याय लिखने के अवसर होते हैं... यह केवल एक निर्णय है।

मैं आपको चुनौती देता हूँ कि आप अभी निर्णय लें कि आप एक नए दिन का आरम्भ करेंगे। अपने अतीत को उसकी असफलताओं और सफलताओं सहित पीछे छोड़ दें। परमेष्वर से अपने भविष्य के लिए ताज़ा दर्षन मांगें और अपनी मंज़िल की ओर बढ़ने के लिए प्रतिदिन आवष्यक कदम उठाएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय स्वर्गिक पिता, आज मुझे सही मार्ग दिखाएं और मेरे भविष्य के लिए ताज़ा दर्षन दें। मुझे यहां से मेरे सर्वोत्तम दिनों में ले चलें ताकि मैं आपकी इच्छा पूरी कर सकूं। मैं अपने अतीत को छोड़ देता हूँ और आपकी इच्छा में अगला कदम बढ़ाता हूँ।

आज के लिए वचन

यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

edit copy

यहोषू 24:15 और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किस की सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा की सेवा नित करूंगा।

फिलिप्पियों 3:14 निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

आपकी सफलता इस बात का सीधा परिणाम हो सकती है कि आप प्रक्रिया को सह पाते हैं या नहीं

जीवन एक प्रक्रिया है, और अनापेक्षित परिस्थितियों वाली एक यात्रा है और जीवन में सफलता एक कदम की प्रक्रिया मात्र से कहीं बढ़कर है। एक के बाद एक बाइबल के लोग आपके नायक बनते जाते हैं क्योंकि उन्होंने निराषा के कारण अपने उद्देष्यों को नहीं छोड़ा। दाऊद ने सिंहासन तक की अपनी यात्रा में बहुत बार कठिनाइयों को सामना किया, यूसुफ ने भी अपने पिता के घर से महल तक बहुत कठिनाइयों का सामना किया। इसे ही ज़िंदगी कहते हैं।

दाऊद ने कहा कि धर्मी जन चाहे सात बार भी गिरे, वह फिर भी उठ खड़ा होगा। धर्मी जन चाहे कितने भी संकटों में क्यों न फंस जाए, परमेष्वर उसे उन सब से बाहर निकालेगा। ये वचन हमें परमेष्वर की इच्छा की पूर्ति करते समय विष्वास में बने रहने के लाभ बताते हैं। जीवन एक प्रक्रिया है, एक कदम की प्रक्रिया से कहीं बढ़कर है और आपकी सफलता इस बात का सीधा परिणाम हो सकती है कि आप इस प्रक्रिया को सह पाते हैं या नहीं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैंने निष्चय कर लिया है कि मैं आपके काम में हाथ लगाऊंगा और संकटों या निराषा के कारण हार नहीं मानूंगा। अपने निर्णय पर दृढ़ रहने और आपकी इच्छा पूरी करने का बल मुझे दें, चाहे इसके लिए मुझे कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 45:7 सो परमेश्वर ने मुझे तुम्हारे आगे इसी लिये भेजा, कि तुम पृथ्वी पर जीवित रहो, और तुम्हारे प्राणों के बचने से तुम्हारा वंश बढ़े।

नीतिवचन 24:10 यदि तू विपत्ति के समय साहस छोड़ दे, तो तेरी शक्ति बहुत कम है।

नीतिवचन 24:16 क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तौभी उठ खड़ा होता है; परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति में गिरकर पड़े ही रहते हैं।

edit copy